REGIONAL TRAINING PROGRAMME
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY THROUGH ECOSYSTEM BASED APPROACHES

16-18 DECEMBER, 2025

I.C.F.R.E. - ECO-REHABILITATION CENTRE, PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH

INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION, DEHRADUN

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका

16–18 दिसम्बर, 2025

*भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबन्धन उत्कृष्टता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित **"पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता"** विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना था। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों तथा अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत के विभिन्न पाँच राज्यों यथा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों, कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण राज्य वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि तथा अन्य शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स आदि के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीकों पर प्रशिक्षण में चर्चा की जाएगी। इसी क्रम में उन्होने भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु सतत भूमि प्रबन्धन उत्कृष्टता केन्द्र, देहरादून की भूमिका की सराहना किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार हेतु एक योजना के अन्तर्गत उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया गया। डॉ. मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीओई–एसएलएम, देहरादून ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्तर्गत भूमि प्रबन्धन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया। कार्यक्रम की सह–समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा **"भूमि क्षरण सुधार की अवधारणा, संकेतक एवं वैश्विक प्रतिबद्धताएं"** पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर ने **"निम्नीकृत भू–दृश्य में जल संसाधन प्रबन्धन"** पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा **"भूमि के पुनर्स्थापन हेतु पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण"** पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए **"वन***

परिदृश्य पुनरूद्धार तकनीक'' *पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. पी. सी. अभिलाष, एसोसिएट प्रोफेसर, आईईएसडी, बीएचयू ने* ***''भूमि क्षरण के कारक एवं संसाधक''*** *पर प्रकाश डाला। डॉ. दीपक लाल, प्रोफेसर, शुआट्स, प्रयागराज ने* ***''भूमि क्षरण में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग की भूमिका''*** *पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में डॉ. अश्विनी कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने* ***''शुष्क एवं बंजर भूमि सुधार''*** *विषय पर चर्चा किया। डॉ. उमेश कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने* ***''भूमि क्षरण तटस्थता को जलवायु और जैव विविधता लक्ष्य के साथ एकीकृत''*** *विषय पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दूसरे दिन के तकनीकी सत्र के समापन के बाद संगीत संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें सुप्रसिद्ध लोकगायिका प्रियंका चौहान एवं आरोही द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम के तीसरे एवं समापन दिवस में क्षेत्र भ्रमण सत्र के अन्तर्गत प्रतिभागियों को केन्द्र द्वारा स्थापित सिलिका माइनिंग क्षेत्र में वानिकी प्रजातियों के पुनर्स्थापन द्वारा विकसित वन क्षेत्र एवं गढ़वा किला, शंकरगढ़ क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किए गए व्याख्यानों की सराहना करते हुए उपस्थित प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम विषय पर विस्तृत चर्चा किया तथा उनकी प्रतिक्रियाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में सीओई–एसएलम, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह एवं केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर तथा आलोक यादव द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।*

TRAINING PROGRAMME

TRAINING PROGRAMME
on
DRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY THROUGH
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 202

TRAINING PROGRAMME
on
ESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY THROUGH
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 2025

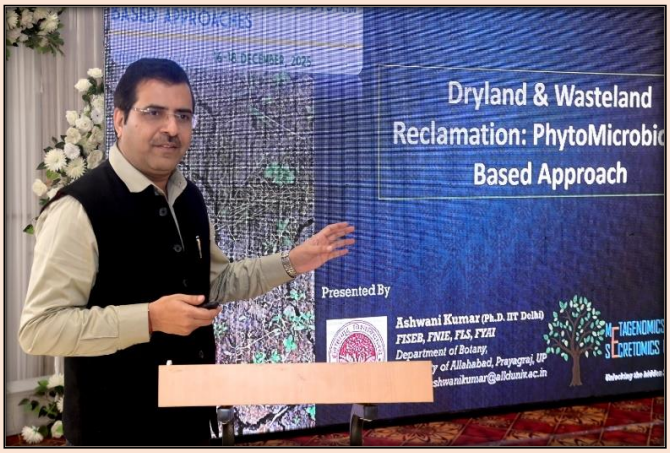
Dryland & Wasteland
Reclamation: PhytoMicrobic
Based Approach
Presented By
Ashwani Kumar (Ph.D. IIT Delhi)
FISER, FNIE, FLS, FYAI
Department of Botany,

Integra Land Degrada
with Clim
sity Goals

Remote Sensing (RS
Obtain information a
object without comin
ntact

Backfilling of OB in exhausted pilot mine pit

TRAINING PROGRAMME
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY-T
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 2025

TRAINING PROGRAMME
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY-T
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 2025
THROUGH
ECOSYSTEM
BASED
APPROACHES

TRAINING PROGRAMME
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY-THROUGH
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 2025
I.C.F.R.E.-ECOREHABILITATION CENTRE, PRAYAGRAJ

CLIMATE CHANGE
AND
WATER ACCOUNTING & AUDITING: AN INSIGHT

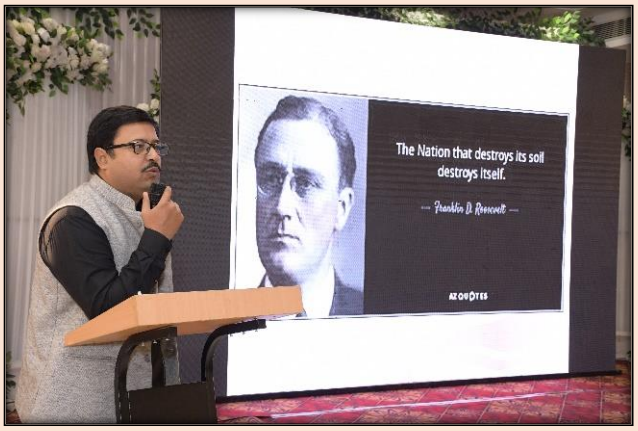
The Nation that destroys its soil destroys itself.
— Franklin D. Roosevelt —

Drivers and Processors of Land Degradation
Presented during the Training program on
Addressing Land Degradation Neutrality through Ecosystem-based Approaches
P. C. ABHILASH
Banaras Hindu University, Varanasi, India

TRAINING PROGRAMME
on
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY THROUGH
ECOSYSTEM BASED APPROACHES
16-18 DECEMBER 2025

Degradation Neutrality (LDN)
Concept, Indicators and Global commitments

TRAINING PROGRAMME

TRAINING PROGRAMME
on
ADDRESSING LAND DEGRADATION NEUTRALITY THROUGH
ECOSYSTEM BASED APPROACHES

TRAINING PROGRAMME
on

TRAINING PROGRAMME

'पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 16-18 दिसम्बर, 2025 का शुभारम्भ मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज के दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों तथा अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत के विभिन्न पाँच राज्यों यथा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों यथा कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण राज्य वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि प्रतिभागियों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स आदि के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं।डॉ. सिंह ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीको पर प्रकाश डालना। इसी क्रम

में उन्होंने भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून की भूमिका की सराहना किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार हेतु एक योजना के अंतर्गत उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा वृक्षारोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया गया। डॉ. मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीओई-एसएलएम, देहरादून ने भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया। कार्यक्रम की सह - समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा भूमि क्षरण सुधार की अवधारणा, संकेतक एवं वैश्विक प्रतिबद्धताएं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा निम्नेकृत भू-दृश्य में जल संसाधन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा भूमि के पुर्नस्थापन हेतु पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरिश कुमार, अम्बूज कुमार एवं छोटू यादव रहे।

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रयागराज (हि.स.)। भा.वा.अ.शि.प-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्टता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलवार को हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार हेतु एक योजना के अंतर्गत उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा वृक्षारोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया।केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत के विभिन्न पांच राज्यों यथा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों के कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण राज्य वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि प्रतिभागियों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स आदि के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीको पर प्रकाश डाला। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। डॉ. मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीओई-एसएलएम, देहरादून ने भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह ने भूमि क्षरण सुधार की अवधारणा, संकेतक एवं वैश्विक प्रतिबद्धताएं पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इविवि के डॉ. सुधीर कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर ने भू-दृश्य में जल संसाधन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इविवि ने भूमि के पुर्नस्थापन हेतु पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने तथा कार्यक्रम की सह समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बूज कुमार एवं छोटू यादव आदि उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2021 अनुक्रमांक 211106544 का मूल अंक सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

अमन
पुत्र शमसाद अंसारी
पता-चिनहट

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1240707 का मूल अंक सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

रोहित शर्मा
पुत्र बिहारी लाल शर्मा
पता-बिल्हौर, कानपुर नगर

बेदखली सूचना

पूर्वोत्तर रेलवे

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई-नीलामी (E-Auction) किया जाना है।
आक्शन कैटलाग नम्बर PARKINGBSB30
कार्य का विवरण: मऊ स्टेशन स्थित (2 वीलर) स्टैंड का ठेका, अवधि: 03 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि: 29.12.2025, ई-नीलामी का समय: 10.00 बजे से 10.30 बजे तक।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (क0श्रे0) पूर्वी प्रयागराज
द्वारा निकाली गयी उदघोषणा
उत्तराधिकार वाद संख्या-909 सन 2025
अनीता देवी उम्र 44 वर्ष पत्नी स्व0 अशोक कुमार, निवासिनी- ग्राम कुरिया लवायन कला परगना अरैल, तहसील करछना, जिला प्रयागराज।
...वादिनी
बनाम
(1) अंकित उम्र 27 वर्ष पुत्र स्व0 अशोक कुमार
(2) कुमारी बेबी यादव उम्र 18 वर्ष पुत्री स्व0

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी शर्की
प्रयागराज
मूल वाद संख्या-859 सन 2025
चौबे उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र वित्तू निवासी- ग्राम अमृक्ष लालपुर, परगना मिर्जापुर चौहारी, तहसील सोरांव, जनपद प्रयागराज
....वादी
बनाम
(1) संत बहादुर सिंह उम्र लगभग 65 वर्ष
(2) अमरेश बहादुर सिंह उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्रगण बलवन्त सिंह
(3)ज्ञान सिंह उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र स्व0 नवेल सिंह
(4)इन्दू सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी ज्ञान सिंह
(5) सुधा सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी शिवपूजन सिंह
(6) रामफेर उर्फ लाला यादव उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र स्व0 गुल्ले
(7) घनश्याम उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र स्व0 गुल्ले
(8) पूनी लाल उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र स्व0 गुल्ले
(9) बलराम उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र स्व0 गुल्ले
(10)सुभाष चन्द्र उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व0 गुल्ले
(11) श्रीमती बिन्दी देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी हीरा लाल

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका

- प्रियंका चौहान ने मधुर गीतों से किया मंत्रमुग्ध
- तीन दिवसीय कार्यशाला का आज अंतिम दिन

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : पर्यावरण संरक्षण और सदियों पुराने पेड़ों को बचाने की मुहिम भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज व्यापक मुहिम चलाएगा। इसको लेकर केंद्र की ओर से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केंद्र देहरादून के संयोजन में पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता विषय पर चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम के लिए विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि वन संरक्षक तुलसीदास शर्मा ने पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार के लिए पौधा रोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केंद्र, देहरादून की भूमिका को सराहा।

उन्होंने बताया कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी काम कर रहे हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनीष कुमार सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद देहरादून के अंतर्गत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार पर प्रकाश डाला। वहीं, सांस्कृतिक संध्या में आकाशवाणी की लोक गायिका व आरोहि संस्कृति संगम की सचिव प्रियंका चौहान ने मधुर गीतों की प्रस्तुति की। उन्होंने तुमको देखा तो ये ख्याल आया..., होंठो से छू लो तुम..., ये प्रयाग नगरी जैसे गीतों की मधुर प्रस्तुति करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ आरोहि सिंह ने किया। संचालन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक व आयोजन सचिव डा. अनुभा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव रहे। सह समन्वयक डा. अनीता तोमर ने आभार ज्ञापित किया।

भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गीत प्रस्तुत करती प्रियंका चौहान ● जागरण

हिन्दुस्थान समाचार
स्थापित – 1948
Hindusthan Samachar
बहुभाषी न्यूज़ एजेंसी
Wednesday, 17 December, 2025

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

16 Dec 2025 17:04:00

प्रयागराज, 16 दिसम्बर (हि.स.)। भा.वा.अ.शि.प-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्टता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित "पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलवार को हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार हेतु एक योजना के अंतर्गत उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा पाैधरोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि भारत के विभिन्न पांच राज्यों यथा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों के कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण राज्य वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि प्रतिभागियों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स आदि के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डाला।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। डॉ. मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीओई-एसएलएम, देहरादून ने भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह ने भूमि क्षरण सुधार की अवधारणा, संकेतक एवं वैश्विक प्रतिबद्धताएं पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इविवि के डॉ. सुधीर कुमार सिंह एसोसिएट प्रोफेसर ने भू-दृश्य में जल संसाधन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इविवि ने भूमि के पुर्नस्थापन हेतु पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने तथा कार्यक्रम की सह समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार एवं छोटू यादव आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्थान समाचार / विद्याकांत मिश्र

तीन दिवसीय प्रशिक्षण : भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका

भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज के दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों तथा अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने बताया कि भारत के विभिन्न पाँच राज्यों यथा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों यथा कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण राज्य वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि प्रतिभागियों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थान के साथ प्रयागराज के गंगा टास्क फोर्स आदि के लगभग 25 से अधिक प्रतिभागी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं।डॉ. सिंह ने कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डालना। इसी क्रम में उन्होंने भूमि क्षरण की रोकथाम हेतु सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून की भूमिका की सराहना किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित

दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण सुधार हेतु एक योजना के अंतर्गत उपित वृक्ष प्रजातियों के वयन द्वारा वृक्षारोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया गया। डॉ. मनीष कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीओई-एसएलएम, देहरादून ने भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया। कार्यक्रम की सह - समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा भूमि क्षरण सुधार की अवधारणा, संकेतक एवं वैश्विक प्रतिबद्धताएं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा निम्नीकृत भू-दृश्य में जल संसाधन प्रबंधन पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा भूमि के पुर्नस्थापन हेतु पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अन्नुज कुमार एवं छोटू यादव आदि उपस्थित रहे।

सीबीएसई के आरओ जागरूकता कार्यक्रम का किया शुभारम्भ | **अनुपस्थित, शिफ्टेड, डिलीटेड एवं मृतक मतदाताओं** | **पूर्व ब्लाक भाजपा नेता**

भूमि क्षरण रोकने के बताए उपाय

प्रयागराज, संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से सिविल लाईंस स्थित एक होटल में चल रहे तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दूसरे दिन बुधवार को वैज्ञानिकों ने भूमि क्षरण की रोकथाम पर प्रकाश डाला। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वन परिदृश्य पुनरुद्धार तकनीक पर व्याख्यान दिया। आईईएसडी, बीएचयू के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पीसी अभिलाष ने भूमि क्षरण के कारक एवं संसाधन पर बात की। शुआट्स के प्रोफेसर दीपक लाल ने भूमि क्षरण में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग की भूमिका पर व्याख्यान दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह।

सांस्कृतिक संध्या में झूमे श्रोता

क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में लोक गायिका प्रियंका चौहान और आरोही ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से श्रोताओं में समा बांध दिया। उन्होंने गजल तुम को देखा तो ये ख़याल आया, जिंदगी धूप तुम घना साया...की संगीतमय प्रस्तुति कर तालियां बटोरीं।

इविवि वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार ने शुष्क एवं बंजर भूमि सुधार विषय पर चर्चा की। इविवि के डॉ. उमेश कुमार ने भूमि क्षरण तटस्थता को जलवायु और जैव विविधता लक्ष्य के साथ एकीकृत विषय पर अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि वन संरक्षक तुलसीदास ने किया था। सीओई-एसएलएम, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. सुधीर कुमार सिंह, डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने विचार व्यक्त किए। समन्वयक आलोक यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। आभार ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका विषय पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता' विषय पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के समापन दिवस में सर्वेक्षण सत्र के अंतर्गत केन्द्र द्वारा स्थापित वन क्षेत्र एवं गढ़वा किला, शंकरगढ़ क्षेत्र भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रस्तुत किए गए व्याख्यानों की सराहना करते हुए उपस्थित प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम विषय पर विस्तृत चर्चा किया तथा उनकी प्रतिक्रियाओ से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में सीओई -एसएलएम, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह एवं केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

https://adarshsatyankitkhabarein.com
adarshsatyankitkhabarein@gmail.com
प्रयागराज, शुक्रवार 19 दिसंबर 2025

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका विषय पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

आदर्श सत्यांकित खबरें

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित "पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता" विषय पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 18.12.2025 को किया गया। कार्यक्रम के समापन दिवस में सर्वेक्षण सत्र के अंतर्गत केन्द्र द्वारा स्थापित वन क्षेत्र एवं गढ़वा किला, शंकरगढ़ क्षेत्र भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रस्तुत किए गए व्याख्यानों की सराहना करते हुए उपस्थित प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम विषय पर विस्तृत चर्चा किया तथा उनकी प्रतिक्रियाओ से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में सीओई -एसएलएम, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह एवं केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

भूमि क्षरण सुधार में पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका विषय पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

द्वारा सतत भूमि प्रबंधन उत्कृष्ठता केन्द्र, देहरादून से प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता' विषय पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 18.12.2025 को किया गया। कार्यक्रम के समापन दिवस में सर्वेक्षण सत्र के अंतर्गत केन्द्र द्वारा स्थापित वन क्षेत्र एवं गढ़वा किला, शंकरगढ़ क्षेत्र भ्रमण कराया गया। समापन सत्र में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रस्तुत किए गए व्याख्यानों की सराहना करते हुए उपस्थित प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम विषय पर विस्तृत चर्चा किया तथा उनकी प्रतिक्रियाओ से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में सीओई -एसएलएम, देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष कुमार सिंह एवं केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

ज्ञान धारा पशु आहार कंपनी द्वारा मेला व महोत्सव मे विविध जागरूकता परक आयोजन किये गए। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबन्धक सहित 2 दर्जन से अधिक कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया। कई निजी चिकिसालयों द्वारा लगे चिकित्सा शिविर मेले में आये श्रद्धालुओं व ग्रामीणों ने परामर्श व दवा प्राप्त की। पशु चिकित्साधिकारी सुशील मौर्य ने पशु पालको की शंकाओ का समाधान किया। वहीं 18 दिसंबर बृहस्पतिवार को ठाकुर इलाहाबादी की संयोजन में भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

प्रारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ। सर्वेक्षण सत्र के दौरान वन क्षेत्र एवं गढ़वा किला का प्रतिभागियों को भ्रमण कराया गया केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वैज्ञानिकों से भूमि क्षरण को रोकने व बंजर भूमि सुधार में दिए गए व्याख्यान और तकनीकों की सराहना की है। इस मौके पर डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे।

अपनी ब... हुए ए श्रेणी में लाने को कहा।
कहा कि कोई बच्चा टीकाकरण

दैनिक जागरण

शंकरगढ़ में आइसीएफआरई का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

वनरेंज कार्यालय स्थित नर्सरी का निरीक्षण करते प्रशिक्षणदाता डा. संजय सिंह व प्रशिक्षु।

संसू, जागरण, शंकरगढ़ : वनरेंज कार्यालय में आईसीएफआरई द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। वैज्ञानिकों ने वन क्षेत्र के कई स्थानों का निरीक्षण किया। प्रशिक्षक आइसीएफआरई केंद्र प्रमुख प्रयागराज डा. संजय सिंह, डा.मनीष कुमार देहरादून, डा.आलोक कुमार यादव, डा.अनुभा ने बताया कि जो भूमि खराब हो चुकी है, उसे वैज्ञानिकी तकनीकी के जरिए पुनः उपजाऊ बनाया जा सकता है। जैसे कोल माइंस, मिनरल माइन्स आदि से खराब भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए वन क्षेत्र के गढ़वा रेंज, शिवराजपुर रेंज, गढ़वा किला तथा रेंज कार्यालय परिसर में लगाई गई नर्सरी का भ्रमण. क्षेत्रीय वन अधिकारी अजय कुमार, रमेश कुमार यादव कौशांबी, आर.एस विष्ट, राणा प्रताप सिंह प्रयागराज डिविजन, हनुमान प्रसाद, एसपी मिश्रा आदि प्रशिक्षु द्वारा किया गया।

शंकरगढ़ वनरेंज में आईसीएफआरई के तहत हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

संवाददाता-विनय कुमार साहू

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। क्षेत्र के वनरेंज कार्यालय में आईसीएफआरई द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वनरेंज कार्यालय शंकरगढ़ में आयोजित पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से भूमिक्षरण तटस्थता को संबोधित करना विषयक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रशिक्षणदाता आईसीएफआरई वेंद्र प्रमुख प्रयागराज डॉ. संजय सिंह, डॉ.मनीष वुमार देहरादून, डॉ.आलोक कुमार यादव, डॉ.अनुभा ने बताया कि जो भूमि खराब हो चुकी है। उस जगह की खराब भूमि को वैज्ञानिकी तकनीकी के माध्यम से पुनः उपजाऊ बनाया जा सकता है। जैसे कोल माइंस, मिनरल माइन्स आदि से खराब भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए वन क्षेत्र के गढ़वा रेंज, शिवराजपुर रेंज, गढ़वा किला तथा रेंज कार्यालय परिसर में लगाई गई नर्सरी का भ्रमण क्षेत्रीय वनअधिकारी अजय कुमार, रमेश कुमार यादव कौशांबी, आर एस विष्ट, राणा प्रताप सिंह प्रयागराज डिविजन, हनुमान प्रसाद, एसपी मिश्रा आदि प्रशिक्षु द्वारा किया गया।